संपादकीय

विश्वास बहाली जरूरी

महामारी के कारण पटरी से उतरी अर्थव्यवस्था को संभलने का मौका मिल ही रहा था कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की पूर्व प्रमुख चित्रा रामकृष्ण का मामला सामने आ गया। इससे निवेशकों में घबराहट हुई जिसका असर बाजार पर पड़ा। बाजार की अर्थव्यवस्था विश्वास पर टिकी होती है और इसी विश्वास को कायम रखने के लिए रामकृष्ण मामले की बहु एजेंसी जांच जारी है। रामकृष्ण का नाम तब सुर्खियों में आया, जब पिछले दिनों भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि उन्होंने हिमालय में विचरण करने वाले एक योगी के प्रभाव में आकर आनंद सुब्रमण्यन को एक्सचेंज में समूह परिचालन अधिकारी तथा प्रबंध निदेशक का सलाहकार नियुक्त किया। सेबी ने रामकृष्ण समेत संबंधित पूर्व अधिकारियों पर भारी जुर्माना लगाया। गौरतलब है कि बाजार मामले में एनएसई 70 फीसदी 'ऑपरेटिंग मार्जिन' और भारत के पूंजी बाजार पर एकाधिकार के साथ दुनिया का सबसे बड़ा 'डेरिवेटिव एक्सचेंज' है। ऐसी महत्वपूर्ण संस्था की प्रमुख रहीं चित्रा किसी 'बाबा' के कहने पर फैसले लेती रही हों, यह बेहद चौंकाने वाला प्रकरण है। यही नहीं, आरोप ये भी हैं कि रामकृष्ण इस 'बाबा' के साथ ईमेल साझा करती थीं। वह इस 'बाबा' से नियुक्तियों, भविष्य की योजनाओं और एक्सचेंज के कामकाज के कई अन्य पहलुओं पर सलाह लेती थीं। गंभीर आरोपों और जांच प्रकरण के बीच रामकृष्ण, एक अन्य पूर्व सीईओ रवि नारायण और पूर्व समूह परिचालन अधिकारी आनंद सुब्रमण्यन के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' जारी किया गया है, ताकि उन्हें देश छोड़ कर भागने से रोका जा सके। जांच एजेंसी सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है कि एक निजी कंपनी के मालिक एवं प्रवर्तक ने एनएसई के अज्ञात अधिकारियों के साथ साजिश कर एनएसई के सर्वर का दुरुपयोग किया। यह आरोप भी लगाया है कि एनएसई, मुंबई के अधिकारियों ने वर्ष 2010 से 2012 के दौरान 'को-लोकेशन' सुविधा का दुरुपयोग करके कंपनी को अनुचित पहुंच उपलब्ध कराई। उक्त कंपनी स्टाक एक्सचेंज के सर्वर में सबसे पहले लॉगइन करने में सक्षम हो गई, जिससे उसे अन्य ब्रोकर से पहले डाटा हासिल हो गया।

असल में यह सारा मामला कोई एक-दो दिन या महीनों का नहीं है। पूरा प्रकरण है वर्ष 2013 से 2016 के बीच का। उस वक्त चित्रा रामकृष्ण एनएसई की सीईओ थीं। इन 3-4 सालों के दौरान एनएसई में ढेरों अनियमितताएं हुईं। कामकाज बड़े नाटकीय तरीके से हो रहे थे। बिना योग्यता वाले लोगों की उच्च पदों पर नियुक्ति एवं सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज से जुड़े सारे फैसले 'बाबा' से ही पूछकर लिए जा रहे थे। शिकायत मिलने के बाद बाजार नियामक ने जांच शुरू की और इस जांच को पूरे 6 साल लग गए। तमाम जांच प्रक्रिया के बाद पिछले दिनों सेबी ने 190 पन्नों का ऑर्डर जारी किया। इसके बाद सीबीआई ने चित्रा से पूछताछ की। सीबीआई के अलावा सेबी और एनएसई की भी अपनी जांच चल रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि पूरे मामले की गहन और सही दिशा में जांच होगी, और दोषियों के खिलाफ समुचित कार्रवाई भी। इसके साथ ही निवेशकों में पूर्ण विश्वास जगाया जा सकेगा ताकि बाजार की रफ्तार पर भविष्य में कोई 'बाबा ग्रहण' न लग पाए।

बासमती चावल बनाने वाली कंपनी में दांव लगाकर लोग बन गए लखपति, 3 तीन साल में 35 लाख का फायदा

नई दिल्ली । क्या आप भी मल्टीबैगर स्टॉक में निवेश करने की सोच रहे हैं? तो हम आपको एक जबरदस्त स्टॉक के बारे में बता रहे हैं जिसने अपने शेयरधारकों को अच्छी-खासी कमाई कराई है। बासमती चावल बनाने वाली इस कंपनी का कोरोनाकाल से ही जोरदार परफार्मेंस रहा है। इस स्टॉक का नाम है- जीआरएम ओवरसीज । इस शेयर ने महज तीन साल में अपने निवेशकों को 3,455 फीसदी का रिटर्न दिया है। 14.99 से 532.95 रुपये पर पहुंचा भाव

यह स्मॉल कैप स्टॉक 21 फरवरी 2019 को बीएसई पर 14.99 रुपये पर बंद हुआ था और आज 22 फरवरी को यह शेयर 532.95 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। तीन साल में इसने निवेशकों को मालामाल कर दिया। तीन साल पहले जीआरएम ओवरसीज के शेयरों में निवेश की गई एक लाख रुपये की रकम आज 35.55 लाख रुपये हो जाती। हालांकि, शेयर आज 4.99त्न की गिरावट के साथ 532.95 रुपये पर खुला। तब से यह शेयर पूरे सत्र के दौरान 5प्रतिशत के निचले सर्किट में फंसा हुआ है। पिछले 4 दिनों में स्टॉक में 18त्न की गिरावट आई है।

इस साल का अब तक का प्रदर्शन

जीआरएम के शेयर 100 दिन और 200 दिन की चलती औसत से अधिक लेकिन 5 दिन, 20 दिन और 50 दिन की मूविंग एवरेज से कम कारोबार कर रहे हैं। एक साल में स्टॉक 837.26प्रतिशत बढ़ा है लेकिन इस साल की शुरुआत से अब तक 16.53प्रतिशत गिर गया है। एक महीने में शेयर में 38.39 फीसदी और एक हफ्ते में 17.94 फीसदी की गिरावट आई है। बीएसई पर इस फर्म का मार्केट कैप 3,197 करोड़ रुपये है। दिसंबर 2021 को समाप्त तिमाही के लिए तीन प्रमोटरों के पास फर्म में 72 प्रतिशत हिस्सेदारी थी और 12,793 सार्वजनिक शेयरधारकों के पास 28 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इनमें से 12,511 सार्वजनिक शेयरधारकों के पास 2 लाख रुपये तक की पूंजी के साथ 8.52प्रतिशत हिस्सेदारी थी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के पास 21,635 शेयर थे।

कंपनी की वित्तीय स्थिति

दिसंबर तिमाही में कंपनी को फायदा हुआ है। फर्म ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 5.92 करोड़ रुपये के मुकाबले शुद्ध लाभ में 350प्रतिशत की वृद्धि के साथ 26.66 करोड़ रुपये की सूचना दी। दिसंबर तिमाही में बिक्री 39प्रतिशत बढ़कर 296.83 करोड़ रुपये हो गई, जो 2020 की दिसंबर तिमाही में 213.47 करोड़ रुपये थी। दिसंबर को समाप्त तिमाही में ओपेरिंग लाभ 100त्न बढ़कर 23.24 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 11.57 करोड़ रुपये था।

जोमेटो को कड़ी टक्कर देने के लिए अब स्वीगी भी लाने जा रही है आईपीओ

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो के बाद अब आपको स्विगी के शेयरों में भी निवेश का मौका मिल सकता। दरअसल, जोमैटो की प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी भी अपना आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। निक्केई एशिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी अगले साल की शुरुआत में 80 करोड़ डॉलर का आईपीओ ला सकता है।

बाजार हिस्सेदारी बढ़ाएगी कंपनी

आईपीओ की तैयारी जोमेटो के साथ कड़ी प्रतिद्वंद्विता के बीच बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए धन जुटाने की उम्मीद में आती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की योजना खुद को एक लॉजिस्टिक कंपनी के रूप में स्थापित करने की है, न कि केवल एक फूड डिलीवरी फर्म के रूप में। स्विगी ने हाल ही में इनवेस्को के नेतृत्व में एक फंडिंग राउंड में 700 मिलियन डॉलर जुटाकर डिकैकॉर्न का रुख किया। फंडिंग राउंड के बाद स्टार्टअप की कीमत 10.7 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि कंपनी का मूल्यांकन अब अपने प्रतिद्वंदी जोमैटो से ज्यादा हो गया है।

जोमैटो का बाजार वैल्यू हुआ कम - स्विगी ने आईपीओ और वैल्यूएशन बूस्ट के लिए ऐसे समय में फंड जुटाया है, जब पिछले साल जुलाई में शेयर बाजार की शुरुआत के बाद से इसके प्रतिद्वंद्वी ज़ोमैटो का बाजार पूंजीकरण तेजी से घट रहा है। इसी तरह, हाल ही में सूचीबद्ध हुए पेटीएम, नायका जैसे अन्य नए तकनीकी शेयरों ने भी अपने शेयर की कीमतों में भारी गिरावट देखी है।

भारत पर भी कम भारी नहीं पड़ रहा यूक्रेन संकट, अब तक निवेशकों के डूबे 9.1 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। रूस द्वारा यूक्रेन के दो विद्रोही-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों को मान्यता दिए जाने के बाद बेंचमार्क सूचकांकों में 2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ भारतीय इच्टिी के लिए मंगलावर की शुरुआत काफी निराशाजनक रही। रूस-यूक्रेन संकट ने पिछले कई दिनों से दुनिया भर के बाजारों को संकट में डाल दिया है। बढ़े हुए तनाव और युद्ध की आशंकाओं से उत्पन्न सुनामी ने केवल पांच दिनों की अवधि में बीएसई-सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को 9.1 लाख करोड़ रुपये तक कम कर दिया है। निवेशकों के पैसे डूब गए हैं। 16 फरवरी आखिरी दिन था जब भारतीय बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। उसके बाद लगातार गिरावट देखी जा रही है।

मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 1,245 अंकों की गिरावट के साथ 56,439 पर खुला, जबकि निफ्टी 359 अंकों की गिरावट के साथ 16,848 पर खुला। अन्य सभी एशियाई सूचकांक दिन के दौरान 1 प्रतिशत से अधिक नीचे थे।

आईडीएफसी बैंक के सीईओ ने ट्रेनर, ड्राइवर और हाउस हेल्प को 3.95 करोड़ के शेयर उपहार में दिए

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एमडी और सीईओ, वी वैद्यनाथन ने अपने ड्राइवर, हाउस हेल्पर, ट्रेनर और दो अन्य व्यक्तियों को घर खरीदने में मदद करने के लिए 3.95 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नौ लाख शेयर उपहार में दे दिए। एक रेगुलेटर फाइलिंग में बैंक ने बताया कि वैद्यनाथन ने 21 फरवरी, 2022 को उनके द्वारा रखे गए 9,00,000 इच्टिी शेयर उपहार में दिए। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के सीईओ ने अपने ट्रेनर रमेश राजू को 3 लाख शेयर गिफ्ट किए। हाउस हेल्प प्रांजल नार्वेकर और ड्राइवर अल्गारसामी सी मुनापर को 2-2 लाख शेयर और ऑफिस सपोर्ट स्टाफ दीपक पाठारे और हाउस हेल्प संतोष जोगले को 1 लाख शेयर उन्होंने उपहार में दे दिए।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बैंक के सोमवार को ?43.90 के बंद भाव के अनुसार, 9 लाख शेयरों का मूल्य 3,95,10,000 होना चाहिए। इसके अलावा, बैंक ने कहा कि रुक्मणी सोशल वेलफेयर ट्रस्ट ने सामाजिक गतिविधियों का समर्थन करने के लिए 2 लाख इच्टिी शेयरों का निपटान किया है।

नियामक फाइलिंग में कहा गया है कि उपहार और सामाजिक गतिविधियों के लिए निपटाए गए कुल शेयर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 11 लाख इच्टिी शेयर हैं और इन खुलासे के हिस्से के रूप में यह प्रस्तुत किया जाता है कि इन लेनदेन से वी वैद्यनाथन द्वारा प्राप्त कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ नहीं है। इससे पहले भी वैद्यनाथन ने कुछ ऐसे व्यक्तियों को शेयर उपहार में दिए थे, जो उनसे संबंधित नहीं थे।

भारतीय बैटर वीआर वनिता ने क्रिकेट के सभी फॉर्म से लिया संन्यास

नई दिल्ली । भारतीय महिला बैटर वीआर वनिता ने क्रिकेट से संन्यास का फैसला लिया है, उन्होंने सोमवार (21 फरवरी) को सोशल मीडिया के जरिए क्रिकेट के सभी फॉर्म से संन्यास लेने की घोषणा की। वनिता ने 2014 से 2016 के बीच भारतीय टीम के लिए 6 वनडे और 20 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। 31 वर्षीय क्रिकेटर ने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की घोषणा करते हुए, परिवार के सदस्यों, दोस्तों, और टीम के साथियों को धन्यवाद दिया, जिसमें भारत की फास्ट बॉलर झूलन गोस्वामी और वनडे और टेस्ट कप्तान मिताली राज भी शामिल हैं। साथ ही साथ उन्होंने कर्नाटक और बंगाल क्रिकेट संघ का धन्यवाद दिया। इन दोनो राज्य संघों की तरफ से उन्होंने घरेलू क्रिकेट भी खेला था। वनिता ने आमतौर पर टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की शुरुआत की और वनडे में मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी की। उन्होंने 15 टी20 पारियों में पांच बार 25 से अधिक स्कोर बनाए, लेकिन उनका उच्च स्कोर सिर्फ 41 ही था। उनका वनडे और टी20 में बल्लेबाजी का औसत क्रम से 17 और 14.40 था। हाल ही में वनिता 2021-22 के घरेलू सीजन के दौरान बंगाल के लिए शानदार फॉर्म में थीं, जिससे उन्हें महिला सीनियर वनडे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद मिली। उस दौरान उन्होंने कुल 225 रन बनाए। आंध्र प्रदेश के खिलाफ उन्होंने 61 रन और हैदराबाद के खिलाफ 71 गेंदों में 107 रन की पारी खेली थी।

18 साल की ऋचा घोष ने रचा इतिहास, वनडे में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं

क्वीन्सटाउन । 18 साल की विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने मंगलवार को महिला एकदिवसीय क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड बनाया। घोष ने कमाल का प्रदर्शन किया। 29 बॉल में 52 रन की पारी खेली, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल हैं।

ऋचा घोष ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जॉन डेविस ओवल, क्वीन्सटाउन में चल रहे चौथे वनडे में यह उपलब्धि हासिल की। घोष ने सिर्फ 26 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 52 रन की पारी खेलकर आउट हो गईं। भारतीय महिला टीम में सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड रुमेली धर के नाम था।

2008 में श्रीलंका के खिलाफ 29 गेंद में फिफ्टी लगाई थी। वेदा कृष्णमूर्ति ने 2018 में 32 गेंद में जमाया था। एमेलिया केर के आलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने बारिश से प्रभावित चौथे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में मंगलवार को यहां भारत को 63 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 से बढ़त बनाकर क्लीन स्वीप की तरफ कदम बढ़ाये।

बारिश के कारण मैच पांच घंटे देरी से शुरू हुआ जिससे इसे 20 ओवर का कर दिया गया। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने के बाद एमेलिया केर के 33 गेंदों पर नाबाद 68 और सूजी बेट्स के 26 गेंदों पर 41 रन की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 191 रन का विशाल स्कोर बनाया। भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बड़े स्कोर के सामने लड़खड़ा गया। एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 19 रन था और आखिर में उसकी पूरी टीम 17.5 ओवर में 128 रन पर आउट हो गयी।

कंगना के शो लॉक अप में खेला जाएगा अत्याचारी खेल, ट्रेलर जारी

पिछले काफी समय से कंगना रनौत अपने पहले रियलिटी शो लॉक अप को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो के फॉर्मेट से लेकर इसके प्रतियोगियों तक आए दिन इससे जुड़े नए-नए अपडेट सामने आ रहे हैं। अब शो का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसके बाद कंगना एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। ट्रेलर में कंगना शो से जुड़ीं कुछ अहम बातें बता रही हैं।

लॉक अप के दरवाजे खुल चुके हैं। इससे साफ है कि कंगना कैदियों पर हुकूमत करने को तैयार हैं। नियम तो शो में बहुत होंगे, लेकिन इन्हें बनाने वाली सिर्फ कंगना ही हैं। शो के ट्रेलर में इस जेल की मुश्किलों का पता चल रहा है। कंगना ने शुरुआत में ही कह डाला कि यह एक ऐसी जगह होगी, जहां रहना किसी बुरे सपने से कम नहीं होगा। इस अत्याचारी खेल में प्रतियोगियों की सभी सुविधाएं छीन ली जाएंगी।

शो काफी बोल्ड होने वाला है। ट्रेलर में भी हॉटनेस का तडक़ा लगाया गया है। शो में फिल्मी नगरी में तडक़ा लगाने वाले सितारे बोल्डनेस की सारी हदें पार करते दिखेंगे। साथ ही कंगना शो में शामिल होने वाले प्रतियोगियों के छिपे राज भी उन्हीं के मुंह से निकलवाती नजर आएंगी, क्योंकि गेम में बने रहने के लिए प्रतियोगियों को अपने राज से पर्दा उठाना ही पड़ेगा। इस जेल में अत्याचारी खेल का फ्लेवर 27 फरवरी से देखने को मिलेगा।

टीवी अभिनेत्री श्रीजिता डे इस साल के अंत तक लेंगी सात फेरे

शो उतरन में काम कर चुकी अभिनेत्री श्रीजिता डे को उनके बायफ्रेंड ने क्रिसमस 2021 के मौके पर प्रपोज किया था श्रीजिता डे ने फोटोज साझा कर इस बात की जानकारी दी थी पिछले कुछ समय से श्रीजिता डे जर्मनी के रहने वाले माइकल बीपी को डेट कर रही है अब श्रीजिता अपनी शादी की प्लानिंग कर रही है

श्रीजिता कोरोना के कम होने का इन्तजार कर रही है ताकि उनके मेहमान आसानी से भारत से जर्मनी जा सकें इस साल के अंत तक यह अदाकार दुल्हन बन जाएगी

श्रीजिता जर्मनी में शादी करना चाहती है श्रीजिता ने बताया की वह बंगाली और जर्मनी रीती रिवाज से शादी करना चाहती है।

घर में बनाएं बाजार जैसी 'पनीर बिरयानी'

सामग्री :

2 कप बासमती चावल, 1 चम्मच तेल, 400 ग्राम पनीर, 1 मीडियम आकार का प्याज बारीक कटा हुआ, 1/4 इंच अदरक, 4 लहसुन की कलियां, 1 हरी मिर्च, 2 टेबलस्पून पुदीना पत्तियां गॉर्निशिंग के लिए, 1 छोटा टमाटर, स्वादानुसार नमक, 1/4 टीस्पून हल्दी, 3/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर

मसाला पाउडर के लिए-1/2 दालचीनी की लकड़ी, 2 इलायची, 3 लौंग, 2 टीस्पून धनिया के बीज, 1 टीस्पून काली मिर्च, 1/2 टीस्पून जीरा, 1/2 टीस्पून सौंफ

विधि :

सबसे पहले चावल को अच्छी तरह से साफ पानी से धोकर 30 मिनट भिगोने के लिए रख दें। पैन को गर्म होने के लिए रख दें। जैसे ही ये गर्म हो जाए इसमें पनीर को सुनहार होने तक तल लें और किसी बर्तन में निकाल लें। इसी पैन में मसाला पाउडर के लिए दी गई सामग्री को भूनेंगे। जैसे ही इनसे खुशबू आने लगे, गैस बंद कर ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद इन्हें पीस कर पाउडर बना लें। अब अदरक, लहसुन और हरी मिर्च को ग्लास या किसी ऐसे बर्तन में कूट लें। अब जिस बर्तन में बिरयानी बनाना है उसे गैस पर चढ़ाएं। बर्तन गरम हो जाए तो इसमें तेल डालें। फिर तेजपत्ता, दालचीनी का टुकड़ा, लौंग, इलायची, काजू, काली मिर्च और जीरा डालकर भूनेंगे। अब बारी है कूटे हुआ अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालने की साथ ही प्याज भी। प्याज हल्का भून जाए तब इसमें टमाटर डालेंगे। टमाटर के हल्का सॉफ्ट होने पर धनिया और पुदीना पत्ती, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर डालकर धीमी आंच पर सबको भूनें। अब मसाले में लगभग 3/4 कप पानी और चावल डाल साथ के साथ डाल दें। सारी चीज़ों को अच्छे से मिक्स कर दें। इसके बाद इसमें फ्राइड पनीर और नमक डालकर मीडियम आंच पर कुकर को एक या दो सीटी आने तक पकने दें। कुकर का प्रेशर खुद से निकल जाने दें। फिर इसमें ऊपर से धनिया पत्ती डालकर सर्व करें। पापड़, रायता और अचार के साथ बिरयानी का मजा दोगुना हो जाएगा।

शब्द सामर्थ्य- 358

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

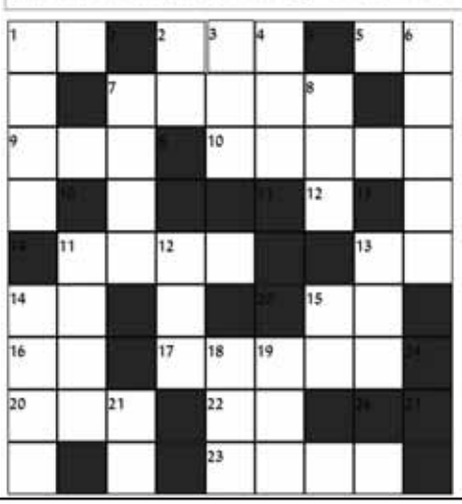

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 357 का हल

ग	ल	त	■	■	■	खा	म	खाँ
णे	■	ल	■	झ	प	की	■	■
श	र	ब	त	■	रं	■	■	मि
■	ज	गा	ना	■	प	रा	का	ष्ठा
■	नी	र	■	वि	रा	ज	मा	न
ना	च	■	■	प	■	■	य	■
म	र	णा	स	न्न	■	पा	नी	■
ची	■	■	प	■	पा	■	■	भो
न	ज	रा	ना	■	स	मा	चा	र

सू-दोकू- 358

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.357 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	4	6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

आज का राशिफल

मेष: आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा।

वृष: उम्रदराज़ लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की ज़रूरत है। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे।

मिथुन: प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था, तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है।

कर्क: अपनी क्षमताओं को पहचानें, क्योंकि आपके अंदर ताक़त की नहीं, बल्कि इच्छा-शक्ति की कमी है। आर्थिक रूप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे।

सिंह: अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। अपनी भावनाओं को छिपाएं नहीं। अपने जज़्बात दूसरों के साथ साझा करने से फ़ायदा मिलेगा। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

कन्या: स्वास्थ्य का ध्यान रखें और चीज़ों को व्यवस्थित करें। जो लोग शादीशुदा हैं, उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे।

तुला: पिता आपको जायदाद से बेदख़ल कर सकते हैं। आपका प्रिय आपको ख़ुश रखने के लिए कुछ ख़ास करेगा। अपने काम में तेज़ी लाने के लिए आप तकनीक से जुड़ी चीज़ों में निवेश कर सकते हैं।

वृश्चिक: दूसरों की आलोचना करने की आपकी आदत के कारण आपको भी आलोचना का शिकार होना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें, नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

धनु: अपना मूड बदलने के लिए सामाजिक मेलजोल का सहारा लें। आज आपको समझ आ सकता है कि धन को बिना सोच विचारे खर्च करना कितना नुकसान पहुंचा सकता है।

मकर: मानसिक शांति के लिए तनाव के कारणों का समाधान करें। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है।

कुंभ: कुछ रचनात्मक करने के लिए अपने दफ़्तर से जल्दी निकलने की कोशिश करें। आज आपका धन कई चीजों पर खर्च हो सकता है, आपको आज अच्छा बजट प्लान करने की आवश्यकता हैं।

मीन: मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी।